

* मच्छर ने
सिखी वसीयत



वाणी प्रकाशन व वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

मच्छर ने लिखी वसीयत



वाणी प्रकाशन

21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

फोन : 011-23273167, 23275710, फैक्स : 011-23275710

e-mail : vaniprakashan@gmail.com

Website : www.vaniprakashan.in

ISBN : 978-93-5000-563-7

संस्करण : 2011

सर्वाधिकार © वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

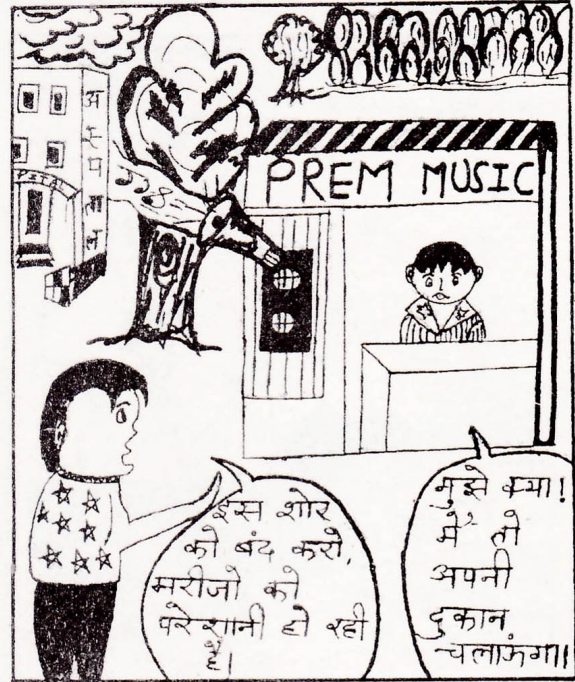
मूल्य : 30 ₹

मेरा गुनाह क्या ?



नाम - शैलिया करण
जिला - हरिद्वार
(उत्तराखण्ड)

बीमारी का शोरगा



कीर्तिशर्मा
[कौसा]



स्वस्थ ही जीवन है



जानकीपुर गाँव में मुन्नी अपनी माँ के साथ रहती थी। अचानक डायरिया का प्रकोप चला।



इस बच्ची पर डायन का आत्मा सवार है और मर चुकी है इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकता।



पासवाले डॉक्टर को पता चलते ही गाँव आ पहुँचा।

मुन्नी की मृत्यु डायन के कारण नहीं बल्कि डायरिया के कारण हुआ है।



अगले दिन से ही उसने सबको खबर कर दिया।

सभी कचड़ों को घर के सामने से दूर के को।



ANAM PURTY

'JOHAR' CHAIBASA

उड़ती मौत



नाम - अलशम माफो
स्कूल - आशुला मुकुल कॉलेजी गौनर घुसी
२०२०

कूड़ेदान का उपयोग



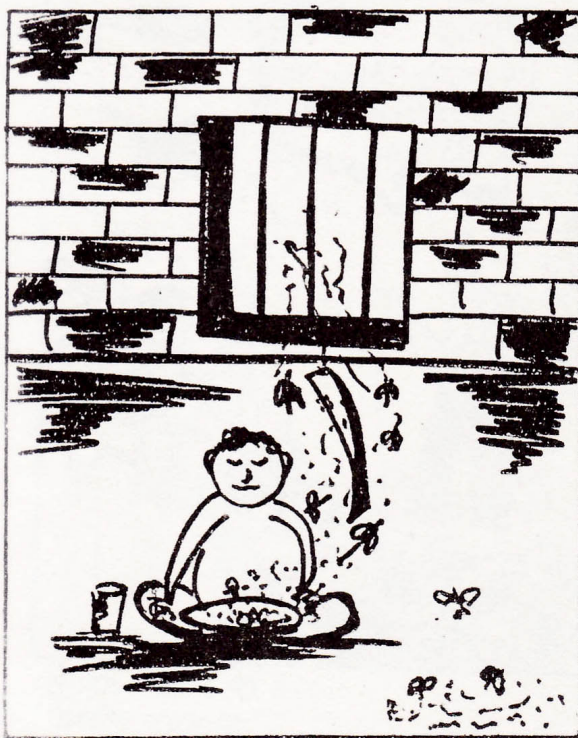
हाथ ये क्या किया ?



BIRENDRA KUMAR
VILL - DANTOLA
POST OFF - MAJHALI
DIST - ALMORA
MO - 941485747



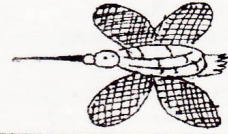
शौच से पहले सोच



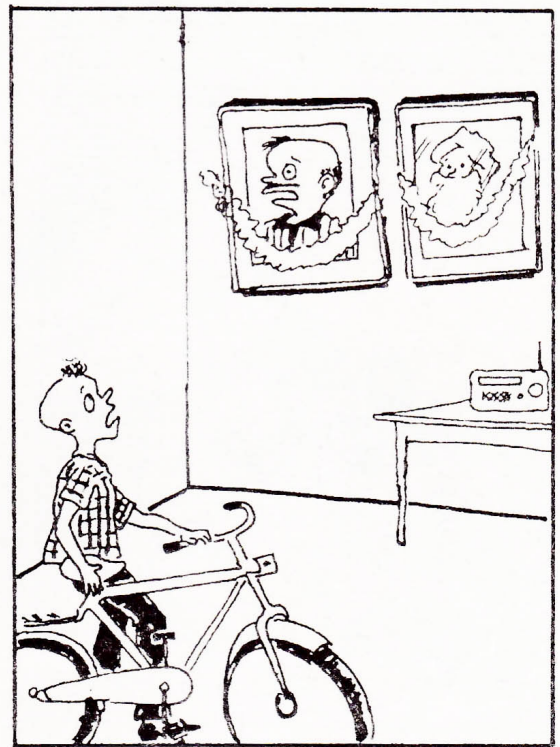
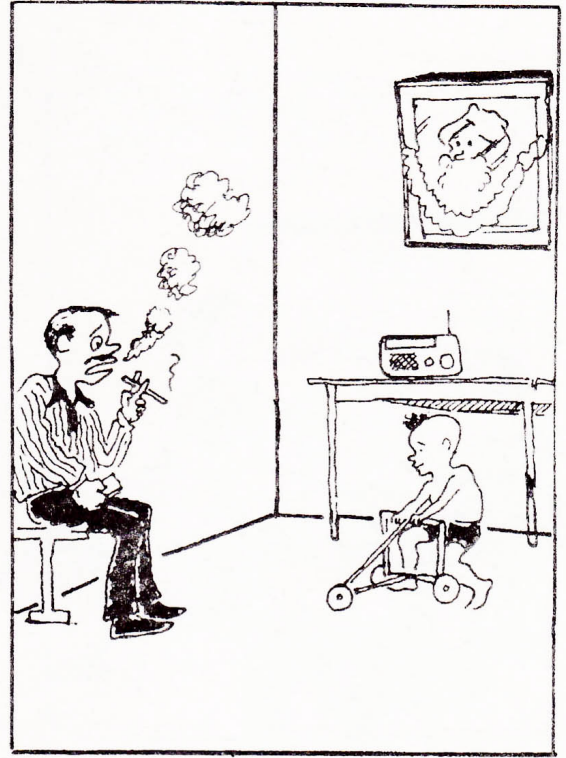
DEEPAK & Co (Delhi)



ममेरिया



जीवन अनमोल हैं। ६६



लखीन्द्र नायक



नतीजा



मच्छर ने लिखी वसीयत



लखी नायक

सहर नै लिखी वसीयत

ये हैं श्रीमती भट्टिया जो अपने घर का कड़ा बाहर फेंकती हैं.....



श्रीमती भट्टिया के सुसुरजी शेज शाग को घर के बाहर कुर्सी पर बैठा करने थे।



रजनी
नई दिल्ली

जीना हुआ आसान





कुष्ठ का इलाज सम्भव है। (४६७)



पछतावा



* मच्छर ने तिरछी वसीयत

